भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1564

जिसका उत्तर 13 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

राष्ट्रीय नदी अंतरसम्पर्क परियोजना

1564. श्री धर्मबीर सिंह:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय नदी अंतरसम्पर्क परियोजना की वर्तमान स्थित क्या है तथा अब तक सफलतापूर्वक जोड़ी गई नदियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) नदी अंतरसम्पर्क पहल के कारण पर्यावरण संबंधी चिंताओं तथा समुदायों के संभावित विस्थापन का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ग) इस वर्ष नदी अंतरसम्पर्क परियोजना के लिए आवंटित बजट का ब्यौरा क्या है तथा जल आपूर्ति प्रबंधन पर इसका अनुमानित प्रभाव क्या है;

(घ) सरकार किस प्रकार यह सुनिश्चित कर रही है कि नदियों को जोड़ने से संबंधित क्षेत्रों की पारिस्थितिकी तथा जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े; और

(ड.) नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी इस परियोजना के पूरा होने की समय-सीमा क्या है तथा जल की कमी को दूर करने में इसकी दीर्घकालिक प्रभावशीलता की निगरानी के लिए सरकार किस प्रकार योजना बना रही है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) से (ङ): वर्ष 1980 में, भारत सरकार ने जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में जल अंतरण के लिए नदियों के परस्पर संयोजन (आईएलआर) के संबंध में एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी। इस राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए) को नदियों के परस्पर संयोजन का कार्य सौंपा गया है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा 30 लिंक परियोजनाओं की पहचान की गई है जिनमें दो घटक अर्थात हिमालयी घटक (14 आईएलआर परियोजनाएं) और प्रायद्वीपीय घटक (16 आईएलआर परियोजनाएं) परियोजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें से 11 आईएलआर परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), 26 आईएलआर परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) और 30 आईएलआर परियोजनाओं की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) तैयार करने का कार्य पूरा किया जा चुका हैं। लिंक परियोजनाओं और नदियों की मौजूदा स्थिति का ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

प्रत्येक नदी लिंक परियोजना के लिए, व्यवहार्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी के चरण में एक विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव अध्ययन (ईआईएस) किया जाता है, ताकि उस परियोजना के भौतिक, जैविक और सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों की पहचान की जा सके। मिट्टी के प्रकार, जलवायु के प्रकार, भूजल की गुणवत्ता, जैविक पर्यावरण, वनस्पति विविधता, वन और वन्यजीव, भूजल पुनर्भरण, नदी की जलविज्ञान संबंधी रिजिम में परिवर्तन, सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलू, रोजगार सृजन की संभावनाएं, परियोजना से प्रभावित परिवार, जलमग्न क्षेत्र आदि और अन्य सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं पर एक विस्तृत अध्ययन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के तैयारी के चरण में ही किया जा सके, साथ ही आकलित प्रभावों को कम करने के लिए एक पर्यावरण प्रबंधन योजना भी प्रस्तावित की जा सके।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत केन बेतवा लिंक परियोजना प्रथम ऐसी लिंक परियोजना है, जिसके कार्यान्वयन की शुरुआत, दिसंबर, 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन के पश्चात किया गया था। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, इस परियोजना के लिए 4000 करोड़ रूपये की बजटीय आबंटन किया गया है। इस परियोजना की परिकल्पना अन्य बातों के साथ-साथ 10.62 लाख हेक्टेयर की वार्षिक सिंचाई के लिए और मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में 62 लाख आबादी को घरेलू जल आपूर्ति के लिए जल उपलब्ध कराने के लिए की गई है।

भारत सरकार, नदियों के परस्पर संयोजन (आईएलआर) कार्यक्रम को परामर्श के आधार पर आगे बढ़ा रही है और इस कार्यक्रम को सबसे अधिक प्राथमिकता दी गई है। पक्षकार राज्यों के बीच अपेक्षित सहमति बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर भरसक प्रयास किए गए हैं जिससे परिपक्व आईएलआर परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया जा सके। आईएलआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सितंबर, 2014 में एक नदी संयोजना संबंधी विशिष्ट समिति (स्पेशल कमेटी फॉर इंटरलिंकिंग ऑफ रिवर) का गठन किया गया था। अब तक, नदी संयोजन संबंधी विशेष समिति (स्पेशल कमेटी फॉर इंटरलिंकिंग ऑफ रिवर) की 21 बैठकें हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, अप्रैल, 2015 में 'टॉस्क फोर्स फॉर इंटरलिंकिंग ऑफ रिवर' का भी गठन किया गया है। इस टॉस्क फोर्स की अब तक, 20 बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में, राज्यों का व्यापक प्रतिनिधित्व और भागीदारी रहती है, जहां पक्षकार राज्यों के बीच सहमति बनाने के समन्वित प्रयास किए जाते हैं और नदियों के परस्पर संयोजन की परियोजनाओं के कार्यान्वयन का रोड मैप तैयार किए जाते है। फिर भी, यह पक्षकार राज्यों पर निर्भर करता है कि जल साझा करने आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों और किसी आईएलआर परियोजना को कार्यान्वयन चरण में आगे ले जाने और किसी आईएलआर परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय और समय सीमा जो केवल कार्यान्वयन चरण में ही होगी को लेकर एक आम सहमति बनाए। आज की तारीख तक केवल एक आईएलआर परियोजना, अर्थात् केबीएलपी कार्यान्वित की जा रही है और इसे मार्च, 2030 तक पूरा कर लिया जाएगा।

*****

अनुलगनक

"राष्ट्रीय नदी अंतरसम्पर्क परियोजना" के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1564 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत आईएलआर परियोजनाओं का ब्यौरा और मौजूदा स्थिति

प्रायद्वीपीय घटक

क्र.सं.	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति	प्रमुख नदियां
1	महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्रप्रदेश और ओड़िशा	एफआर पूर्ण	पेन्नार, पलार, कावेरी
	वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - ऋषिकुल्या - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्रप्रदेश और ओड़िशा	एफआर पूर्ण	महानदी, गोदावरी
2	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक@	आंध्रप्रदेश	एफआर पूर्ण	गोदावरी और कृष्णा
3	क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूर्ण	गोदावरी और कृष्णा
	ख) वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूर्ण	गोदावरी और कृष्णा
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण	गोदावरी और कृष्णा
5	क) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमसिला) लिंक	आंध्र प्रदेश	एफआर पूर्ण	कृष्णा, पेन्नार
	ख) वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमसिला) लिंक **	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण	कृष्णा, पेन्नार
6	कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश	मसौदा डीपीआर पूर्ण	कृष्णा, पेन्नार
7	कृष्णा (अलमाटी) - पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक	मसौदा डीपीआर पूर्ण	कृष्णा, पेन्नार
8	क) पेन्नार (सोमसिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु	एफआर पूर्ण	पेन्नार, पलार, कावेरी

		और पुद्दुचेरी		
	ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमसिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक **	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी	डीपीआर पूर्ण	पेन्नार, पलार, कावेरी
9	कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडूर लिंक	तमिलनाडु	डीपीआर पूर्ण	कावेरी वैगाई और गुंडूर
10	क) पार्बती-कालीसिंध - चंबल लिंक	मध्य प्रदेश और राजस्थान	एफआर पूर्ण	पार्बती, कालीसिंध, चंबल
	ख) संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	मध्य प्रदेश और राजस्थान	मसौदा डीपीआर पूर्ण	पार्बती, कालीसिंध, चंबल, कुल, बनास, मेज, कुनू, चमला, शिप्रा, लाखअंडर, नेवाज
11	दमनगंगा - पिंजाल लिंक	महाराष्ट्र (केवल मुम्बई के लिए जलापूर्ति)	डीपीआर पूर्ण	दमनगंगा, पिंजाल
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूर्ण	पर, तापी, नर्मदा
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	डीपीआर पूर्ण और परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है	केन, बेतवा

14	पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक	तमिलनाडु और केरल	डीपीआर पूर्ण	पंबा अचनकोविल और वैप्पर
15	बेदती - वरदा लिंक@@	कर्नाटक	डीपीआर पूर्ण	बेदती और वरदा
16	नेत्रवती - हेमवती लिंक**	कर्नाटक	पीएफआर पूर्ण	नेत्रवती और हेमवती

** मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर लंबित सहमति के कारण गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया था और गोदावरी (इंचमपल्ली जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं की डीपीआर का कार्य पूरा कर लिया गया था। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार कर ली है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुन सागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** आगे के अध्ययन शुरू नहीं किए गए हैं क्योंकि कर्नाटक सरकार द्वारा यट्टीनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद, इस लिंक के माध्यम से नेत्रावती बेसिन में पानी के डायवर्जन के लिए कोई अधिशेष पानी उपलब्ध नहीं है।

@ गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक- इस परियोजना को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया है।

@ बेदती-वरदा लिंक-डीपीआर इसकी पीएफआर तैयार होने के बाद सीधे तैयार किया गया था, कोई एफआर तैयार नहीं किया गया था।

हिमालयी घटक

क्र.सं.	लिंक का नाम	लाभान्वित राज्य/देश	स्थिति	प्रमुख नदियां
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूर्ण	कोसी, मेची
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूर्ण	कोसी, घाघरा
3.	गंडक - गंगा लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूर्ण	गंडक, गंगा
4.	घाघरा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	मसौदा एफआर पूर्ण	घाघरा, यमुना
5.	सारदा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	एफआर पूर्ण	सारदा, यमुना

6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूर्ण	यमुना
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूर्ण	लुनी, सुकरी, सगी, बंदी और सुकल बनास
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	मसौदा एफआर पूर्ण	चुनार मे गंगा नदी और सोन नदी
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	मसौदा एफआर पूर्ण	सोन नदी
10.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	एफआर पूर्ण	मानस, संकोश, तिस्ता, महानंदा, गंगा
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूर्ण	प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया है
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	एफआर पूर्ण	गंगा, हुगली, विद्याधारी
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूर्ण	गंगा, दामोदर, सुवर्णरेखा
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूर्ण	सुवर्णरेखा और महानदी

******